इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर, जिला - बस्तर (छ.ग.)

वर्ष - 06, अंक - 02 | त्रैमासिक पत्रिका | जुलाई से सितम्बर 2013

संरक्षक

डॉ. एस. के. पाटिल

कुलपति

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शन

डॉ. जे. एस. उरकुरकर

निदेशक विस्तार सेवायें

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत

डॉ. अनुपम मिश्रा

निदेशक

आंचलिक परियोजना निदेशालय

इकाई 7 (ICAR) जबलपुर

प्रकाशक

डॉ. एस. सी. यादव

कार्यक्रम समन्वयक,

कृषि विज्ञान केन्द्र

बस्तर (छ.ग.)

संपादक

श्रीमती गुंजन झा

विषय वस्तु विशेषज्ञ,

उद्यानिकी

सह संपादक

श्री तोषण कुमार ठाकुर

विषय वस्तु विशेषज्ञ,

मत्स्यकीय

सहायक संपादक

श्री आर. एस. राजपूत

इंजी. राहुल साहू

श्री दुष्यंत पाण्डे

श्रीमती सोनाली राजपूत

केन्द्र के सम्पर्क किसान का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान

श्री कमल किशोर कश्यप, ग्राम बड़ेचकवा, जिला बस्तर ने केन्द्र के द्वारा बताये गये वैज्ञानिक खेती के तरीके को अपनाते हुये कृषि के क्षेत्र में जो प्रसंशनीय

कार्य किये है उसके लिए उन्हे आज बस्तर के साथ साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रगतिशील एवं श्रेष्ठ किसान के रूप में ख्याति मिल रही है। अभी हाल ही मे 09–10 सितंबर 2013 को गांधी नगर गुजरात में आयोजित ग्लोबल एग्रीकल्चर समीट में मान. श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा इसे रूपये 51,000 नगद राशि, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया एवं इसके साथ ही साथ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय किसान मेले में भी इन्हे प्रशस्ति–पत्र व स्मृति चिन्ह के साथ प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मानित किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन डॉ. रमन सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के कार्यों एवं केन्द्र के सम्पर्क एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्माननीय किसान के कार्यों का सराहना करते हुये।

किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर एवं कृषि विभाग, छ0ग0 शासन के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत, कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर द्वारा 16 सितम्बर 2013 को वि.ख. बकावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बारदा में एक दिवसीय वृहद किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाऊ कश्यप, विधायक, बस्तर विधानसभा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एस.सी. मुखर्जी, अधिष्ठाता, श.गु.कृ.महा.एवं.अनु. केन्द्र, जगदलपुर, डॉ. राजीव गुप्ता, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, जगदलपुर के साथ श्री नारायण बिसाई, निदेशक, छ.ग. राज्य कृषि एवं बीज विकास निगम, श्रीमती पार्वती कश्यप, सदस्या, प्रबंध मंडल, इं.गां.कृ.वि. वि. एवं सभापति, कृषि स्थाई समिति, जिला पंचायत बस्तर एवं अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. एस.सी. यादव एवं केन्द्र के अन्य वैज्ञानिको ने कृषकों के प्रक्षेत्र पर परीक्षण तथा प्रदर्शन के बारे में अतिथियों को अवगत कराया तथा खरीफ फसलोत्पादन के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान की। इस किसान मेले में ग्राम–मूली, करपावण्ड, कुम्हरावण्ड, सतलावण्ड, बकावण्ड, तारापुर, भालगांव एवं अन्य पड़ोसी गांव से 2500 से

अधिक कृषकों ने भाग लिया तथा कृषि प्रदर्शनी में नवीन तकनीक का लाभ लिया जिसमें रावे छात्रों ने भी सहयोग किया।

सामयिक सलाह

क्या करें... कैसे करें... क्यों करें...

अक्टूबर

- उद्यानिकी फसलों की नर्सरी तैयार करने हेतु पौधशाला की मिट्टी का उपचार कैप्टान या थायराम (3 ग्रा./ली. पानी) द्वारा करना चाहिए। एवं बीजों को 2-2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मैंकोजेव फफूदनाशी से लगाने से पूर्व उपचारित करें।
- गुलाब में कृर्तन का कार्य करें व बोर्डो पेस्ट लगाए।
- भूरा माहो प्रभावित क्षेत्रों में गोलाई में भूरे रंग के स्थान दिखते हैं जिससे पौधे पूर्णतः सूख जाते है। इन्हें हापर बर्न कहते है। यदि सिंचाई की व्यवस्था हो तो खेतों से पानी कुछ दिनों के लिए निकाल देना चाहिए।
- मसूर की किस्मे DPL-62, 15 एवं IPL-81, चने की JG-11, 14, 74 विशाल, विकास एवं मटर की KPMR-400, शुभ्रा, रचना, अम्बिका एवं गेंहू की GW-322, MPO-1215, Raj-3077 आदि फसलों की उन्नत किस्मों की बुवाई कतारो में 30 से.मी. की दुरी पर करें।
- इस माह पश्चात शीतऋतु प्रारंभ हो जाएगी अतः किसान भाई मछलियों को पर्याप्त मात्रा (2 से 5% मछली के शारिरिक भार) में आहार देवे।

नवम्बर

- रबी मौसम की फसलों की बुआई इस माह में पूर्ण कर लेवे।
- चना, मटर, मसूर व सरसों आदि फसलों में निंदा नियंत्रण हेतु पेण्डीमेथलिन दवा (30 ई.सी.) 300 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से बुआई के 3 दिन के अंदर छिड़काव करें।
- शीतऋतु प्रारंभ होने पर किसान भाई अपने तालाबों में मछलियों को परिपूरक आहर सीमित मात्रा में दे। क्योंकि ठण्ड में मछलियाँ कम आहार ग्रहण करती है एवं उनकी बढ़वार भी कम होती है।
- शीतऋतु में मछलियों में बीमारियों की संभावना अधिक होती है इसलिए किसान भाई अपने मछलियों की निगरानी निरंतर करते रहे।
- दुधारू गायों एवं भैंसों को प्रोटीन युक्त दलहनी हरा चारा खिलाए।

दिसम्बर

- इस माह गेंहू की बुआई पूर्ण कर लेवे तथा बुवाई के 20-25 दिन बाद सिंचाई करें।
- मिर्च में चुर्रा-मुर्रा रोग की रोकथाम के लिए मिथाइल डेमेटान कीटनाशी (1 मि.ली./ली. पानी) का छिड़काव 10-15 दिन के अन्तराल में करें।
- आलू में मिट्टी चढ़ाएँ एवं उर्वरक प्रबंधन करे।
- आलू में विषाणुजनित रोगों की रोकथाम हेतु मिथाइल डेमेटान (1 मि.ली./ली. पानी) का छिड़काव करें।
- मिर्च, अदरक, गाजर, मटर, टमाटर, पालक व रखिया आदि से परिरक्षित पदार्थ जैसे अचार, सॉस केचप बनायें।

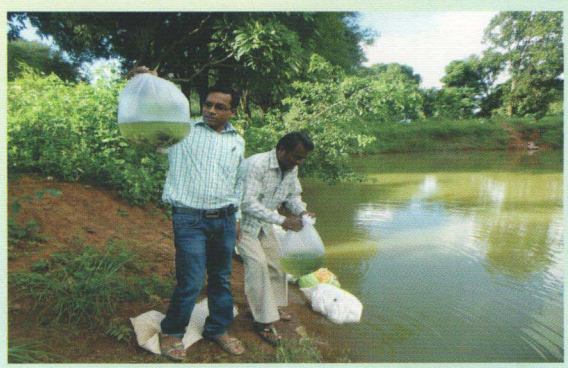

प्रेषक : अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
कार्यक्रम समन्वयक
कृषि विज्ञान केन्द्र, कुम्हरावंड
जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)-494005
नि:शुल्क फोन सेवा : 18001801551
Ph. No. : 07782-229153
Email : kvk_jagdalpur1@rediffmail.com
Website : www.kvkjagdalpur.org

प्रति, बुक पोस्ट

____

नाबार्ड के अधिकारियों द्वारा वि.ख. बास्तानार में अग्रिम पंक्ति प्रर्दशनों का अवलोकन

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर द्वारा खरीफ 2013 में नाबार्ड योजनांतर्गत ग्राम पंचायतः– तिरथुम, कोड़ेनार, ईरपा एवं बड़ेकिलेपाल में धान की

उन्नत प्रजातियॉ श्यामला, समलेश्वरी, बमलेश्वरी, एम.टी.यू.1010, एम.टी.यू. 1001 का कतार रोपाई एवं सब्जी फसलों अदरक, हल्दी, टमाटर, मूली, बरबट्टी के प्रदर्शनों का कृषक प्रक्षेत्रों पर अवलोकन श्री तपन सेठी एवं श्री एन. धनेश, सहायक प्रबंधक, नाबार्ड, रायपुर द्वारा दिनांक 30.07.2013 को किया गया। इस भ्रमण के दौरान कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. एस.सी. यादव एवं अन्य वैज्ञानिक आर.एस. राजपूत, तोषण ठाकूर, राहुल साहू आदि उपस्थित थें।

जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. सुशील कुमार के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण

निदेशालय खरपतवार अनुसंधान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार, ने कृषि विज्ञान केन्द्र का दिनांक 18 सितंबर 2013 को निरीक्षण किया एवं केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ परिचर्चा भी किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होने केन्द्र के क्राप केफेटेरिया में लगे धान की विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया एवं धान की विशेष प्रजाति श्यामला, जो कि इं.गा.कृ.वि. से विकसित की गई है, के बारे में भी जानकारी लिये एवं इसके साथ ही साथ केन्द्र की वर्तमान में चल रही गतिविधियों जैसे– मछली पालन, बतख पालन, मशरूम की खेती एवं केन्द्र के मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में चल रहे मिट्टी परीक्षण के कार्य आदि का सराहना की।

बोलबोला के कृषको ने जाना धान बीज उत्पादन की तकनीक

इं.गा.कृ.वि. के कुलपति, डॉ. एस. के. पाटिल एवं निर्देशक विस्तार सेवायें, डॉ. जे. एस. उरकुरकर के निर्देशानुसार, कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस. सी. यादव के मार्गदर्शन मे कोण्डागांव विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बोलबोला मे धान बीज उत्पादन पर कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमे ग्राम बोलबोला के साथ–साथ ग्राम जरेबेन्दरी, भगदेवा, एवं बड़ेभिरावण्ड के कृषक सम्मिलित होकर प्रशिक्षण से लाभान्वित हुये। उक्त प्रशिक्षण में केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक ने कृषको को बीज के विभिन्न प्रकार की श्रेणी, उसकी गुणवत्ता एवं उत्पादन तकनीक के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया । तथा खरीफ फसलो मे कीट–व्याधी के नियंत्रण के उपाय के बारे मे कृषको को अवगत कराया। वैज्ञानिक श्री आर. एस. राजपुत ने मृदा स्वास्थ्य की देखभाल एवं समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन करते हुये खरीफ फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के वैज्ञानिक तरीका एवं श्री दुष्यंत पाण्डे ने धान बीज उत्पादन के लिये आवश्यक सस्य क्रियाओ के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया। इसके अलावा केन्द्र के वैज्ञानिक श्री तोषण ठाकुर ने मछली पालन के लिये इच्छुक कृषको को मछली पालन की उन्नत तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान कर कृषको की जिज्ञासा को पूरा किया।

श्री विवेक देवांगन (आई.ए.एस.) द्वारा केन्द्र के कार्यो का अवलोकन

माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री चरणदास महंत जी के निज सहायक, श्री विवेक देवांगन (आई.ए.एस.) एवं श्री दिनेश शर्मा जी ने 25.09.2013 को कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होने केन्द्र में चल रही गतिविधियों का अवलोकन किया एवं धान की सुगंधित व अन्य किस्मों का अवलोकन किया एवं साथ ही केन्द्र द्वारा मछली सह बतख पालन व मेड़ो में कंदीय फसल व फलदार पौधों एवं प्रदर्शनी को देखकर केन्द्र के कार्यों की सराहना की।

कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा नैदानिकी भ्रमण

कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर द्वारा नैदानिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें श.गु.कृ.म.वि. एवं अनु. केन्द्र के अधिष्ठाता डॉ. एस.सी. मुखर्जी, उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. राजीव गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, डॉ. एस.सी. यादव के साथ श्री आर.के. कश्यप, संयुक्त संचालक कृषि, बस्तर संभाग के साथ एक वैज्ञानिकों के दल का गठन कर कोण्डागांव जिले के फरसगांव विकासखंड के ग्राम चरकई, मोहलई एवं कुल्हाड़गांव तथा लोहण्डीगुड़ा में नैदानिकी भ्रमण दिनांक 07.08.2013 को किया गया। जिसके अन्तर्गत वैज्ञानिकों ने कृषकों की समस्याओं का तुरंत निराकरण कर समझाईस दी।

रबी में सब्जी उत्पादन कार्यमाला

सब्जी	बोने का समय	बीज दर/एकड़	पौध अंतरण (कतार से कतार पौधे से पौधा)	उर्वरक (कि. ग्रा. प्रति एकड़)	उन्नत किस्में
टमाटर	जून–जुलाई अक्टू.–नवम्बर	160 ग्रा. (देशी)	60×45 से.मी.	20:140:40 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	नन–7610 सलेक्सन–7 पूसा रूबी एन.एस.–815
		60 ग्रा. (हाइब्रिड)		175:600:170 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	
मिर्च	अक्टू.–नवम्बर	400 ग्रा. (देशी)	60×45 से.मी.	130:200:40 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	सेलेक्शन–16 दुर्गा NS-1701 VNR-305 Indus-365 पूसा सदाबहार
		120 ग्रा. (हाइब्रिड)		130:300:50 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	
बैंगन	मई–जून अक्टू.–नव. जन.–फर.	200 ग्रा. (देशी) 80 ग्रा. (हाइब्रिड)	60×75 60×45 से.मी.	70:150:40 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	बैंगन ब्लू स्टार बैंगन ब्लू स्टार डायमंड केशव हजारी बैंगन
फूलगोभी	जून–जुलाई सित.–अक्टू. नव.–जन.	200 ग्रा.	60×75 60×45 से.मी.	130:200:55 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	माही ममता हाई वेजअग्नि
पत्ता गोभी	सित.–नव.	200 ग्रा.	60×60 से.मी.	130:200:55 (यूरिया, एस.एस.पी., पोटाश)	गोल्डन एकर, रेयर बाल, एन.एस.–22
प्याज	अक्टू.–नव.	3.5 कि.ग्रा.	15×10 से.मी.	44:52:66 (यूरिया, डी.ए.पी., पोटाश)	अरका, प्रगति, N-53 भीमा रेड, नासिक रेड
आलू	अक्टू–नव.	6–8 क्विंटल (30 ग्रा. व 2.5 से.मी. व्यास के प्रति आलू)	60×20	35:87:66 (यूरिया, डी.ए.पी., पोटाश)	कुफरी चंद्रमुखी कुफरी अशोका कुफरी बादशाह कुफरी पुखराज कुफरी बहार

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल प्रदर्शन	किस्म	रकबा हे.	ला. संख्या
1.	धान	एम.टी.यू.–1010, एम.टी.यू.–1001, समलेश्वरी, बमलेश्वरी	20	50
2.	मक्का	900 एम गोल्ड, 30 आर 77, हाईसेल	10	25
3.	रागी	जी.पी.यू.–28	05	13
4.	अरहर	आशा	02	05
5.	उड़द	टी.ए.यू.–1	02	05
6.	टमाटर	बस्तरिया	1.5	4
7.	बैंगन	पंत ऋतुराज	1.5	4
8.	प्याज	नासिक रेड	1.5	03
9.	शकरकंद	इंदिरा नवीन, इंदिरा मधुर, श्री रत्ना, श्री भद्रा	1.5	4
10.	मछली	भारतीय मेजर कार्प	4.0	08

जल ग्रहण परियोजना के अन्तर्गत

1.	धान	कर्मा मासूरी, समलेश्वरी, बम्लेश्वरी	45	90
2.	उड़द	टी.ए.यू.–1	12	24
3.	मक्का	हाइब्रिड	15	30
4.	अरहर	आशा	07	14
5.	रागी, कोदो	जी.पी.यू.–28	23	
6.	सब्जियाँ	उन्नत प्रजाति (बैंगन, टमाटर, मिर्च, बरबट्टी, कद्दूवर्गीय सब्जियाँ)	03	15
7.	अकेशिया	अकेशिया आरिकुलिफार्मिस	12	15
8.	फलदार वृक्ष	आम–दशहरी, लगड़ा लीची–कलकतिया नींबू–ग्राफ्टेड	05	08

आदिवासी उप परियोजना (टी.एस.पी.) योजनान्तर्गत श.गु.कृ.म.वि. एवं अनु. केन्द्र द्वारा

1.	धान	एम.टी.यू.–1001, कर्मा मासूरी, बमलेश्वरी	30	75

टी.एस.पी. अंतर्गत, भा.दलहनी अनु. केन्द्र कानपुर व आंचलिक परियोजना निधिशालय, इकाई–7 जबलपुर द्वारा

1.	उड़द	टी.ए.यू.–1	10	25

आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत ए.आई.सी.आर.पी., संचालक अनु. सेवायें द्वारा

1.	धान	एम.टी.यू.–1010, बमलेश्वरी, समलेश्वरी	12	30

सी.एस.एस.एन.एच.एम. परियोजना अंतर्गत संचालक अनु. सेवायें द्वारा

1.	अदरक	सुप्रभा	04	13
2.	हल्दी	रोमा	04	11

नाबार्ड पायलट प्रोजेक्ट परियोजना अंतर्गत

1.	धान	एम.टी.यू.–1010, समलेश्वरी, बमलेश्वरी, कर्मा मासूरी	82	85
2.	उड़द	टी.ए.यू–1	10	25
3.	अरहर	आशा	11	15
4.	मक्का+अरहर	हाइब्रिड+आशा	07	15
5.	लघु धान्य फसलें	रागी व कोदो	30	30
6.	सब्जियाँ	भिण्डी, बैंगन, टमाटर, हल्दी, अदरक, प्याज, बरबट्टी, लाल भाजी	03	15
7.	रामतिल	JNC-9	30	35

कृषक परिक्षेत्र परीक्षण (ऑन फार्म टेस्टिंग)

क्र.	फसल	किस्में	परीक्षण योग्य तकनीक	र. हे.	ला.सं.
1.	धान	कर्मा मासुरी	फसल प्रबंधन द्वारा धान की ब्यासी पद्यति का मूल्यांकन	02	05
2.	धान	MTU-1010	धान में ब्लास्ट बीमारी का नियंत्रण	02	04
3.	कोदो	इंदिरा कोदो–1	उन्नत प्रजाति का अवलोकन	03	04
4.	धान	MTU-1001	STCR विधि के द्वारा धान के उत्पादन को बढ़ाने का आकलन	02	05
5.	रागी	इंदिरा रागी–1	ब्लास्ट प्रतिरोधी उन्नत प्रजाति का आकलन	02	04
6.	उड़द	TAU-1	उड़द में रसायनिक खरपतवार नियंत्रण का आकलन	02	04
7.	धान	MTU-1010	पैडी ट्रांसप्लांटर का आकलन	03	04
8.	कुल्थी	इंदिरा कुल्थी–1	कतार बोनी व उन्नत प्रजाति का आकलन	02	04
9.	मछली	कार्प	मौसमी तालाबों में स्पान से फ्राई संवर्धन का आकलन	02	04
10.	मछली	कार्प	ग्रामीण तालाबों में अंगुलिका उत्पादन का आकलन	02	04
11.	लौकी	उन्नत	लौकी में मादा पुष्पों की संख्या की वृद्धि के लिए इथ्रैल हार्मोन का आकलन	01	02

विगत तीन माह की प्रसार गतिविधियाँ

क्र.	फसल प्रदर्शन	संख्या	लाभान्वितों की संख्या
1.	समाचार पत्रों में समाचार प्रकाशित	16	अनेक
2.	लोकप्रिय लेख प्रकाशित	06	अनेक
3.	कृषकों का केन्द्र प्रक्षेत्र भ्रमण	40	150
4.	वैज्ञानिकों का खेतों में भ्रमण	38	160
5.	दूरदर्शन/आकाशवाणी वार्ता	04	अनेक

कृषक/महिला/युवा एवं प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	एस.टी./एस.सी.	अन्य	कुल
1.	फसलोत्पादन	30	1156	48	1204
2.	शासकीय विभाग	03	42	08	50